बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय बैडमिंटन दल की अगुवाई करेंगी सिंधु

नई दिल्ली

बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) विश्व चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली में होगी। इसमें 10 सदस्यीय भारतीय बैडमिंटन टीम की अगुवाई ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु करेगी। बीडब्ल्यूएफ ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफिकेशन सूची जारी कर दी है, जिसमें भारत के कुल 10 खिलाड़ियों को पांच स्पर्धाओं में उतरने का अवसर मिला है। इन खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की देश की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी भी शामिल है। सिंधु को बीडब्ल्यूएफ के नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रा में जगह मिली है। यह क्वालिफिकेशन सूची 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित है, जिसमें पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और प्रत्येक युगल स्पर्धा में 48-48 जोड़ियां शामिल हैं। नियमानुसार, विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रत्येक वर्ग में भारत के दो खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश मिला है। वहीं पुरुष एकल वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी करेंगे, जिन्होंने अपनी रैंकिंग के बल पर प्रवेश हासिल किय है। वहीं, महिला एकल में सिंधु के साथ उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को भी जगह मिली है। पुरुष यगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को भी शामिल किया गया है। पुरुष युगल की बात करें तो हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन को अवसर मिला है।

दूसरी ओर महिला युगल में 30वें स्थान पर कायम ट्रेसा जाली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भारत की ओर से चुनौती पेश करेगी, जबकि कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी ने दूसरी भारतीय जोड़ी के रूप में प्रवेश हासिल किया है। मिश्रित युगल स्पर्धा में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने 21वें स्थान के साथ अपनी जगह बनाई है, और उनके साथ रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे देश के लिए दूसरी मिश्रित युगल जोड़ी के तौर पर खेलेंगे। इनके अलावा रिजर्व सूची में पुरुष एकल में विश्व चैंपियनशिप किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय, तथा महिला एकल में तन्वी शर्मा, अनमोल खरब, मालविका बंसोड़ और तस्नीम मीर हैं।बीडब्ल्यूएफ ने यह भी कहा है कि सभी पांच कैटेगरी में मौजूदा चैंपियन खिलाड़ियों ने चैंपियनशिप में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

गुरबाज अफगानिस्तान की ओर से सबसे तेज शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने

धर्मशाला । अफगानिस्तान के युवा सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ यहां पहले ही एकदिवसीय में अपनी शतकीय पारी से एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। अब गुरबाज अफगानिस्तान की ओर से सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद शहजाद के नाम था, शहजाद ने 72 गेंदों में शतक लगाया था। वहीं गुरबाज ने केवल 48 गेंदों में अपना नौवां एकदिवसीय शतक लगाया। यह अफगानिस्तान के बल्लेबाज का सबसे तेज एकदिवसीय शतक होने के साथ ही भारतीय टीम के खिलाफ भी सबसे तेज शतक है। गुरबाज ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाजों को जरा भी अवसर नहीं दिया। गुरबाज ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से गेंदबाजों पर दबाव बना मैदान के हर कोने में चौके और छक्के लगाये। गुरबाज ने कुल 51 गेंदों पर 200.00 के स्ट्राइक रेट से 102 रन बनाए। उन्होंने 8 शानदार चौके और 8 छक्के लगाये। भारतीय आलराउंडर नीतीश रेड्डी का वह शिकार बने।

रोहित सलामी बल्लेबाज के तौर पर 16,000 रन बनाने वाले भारत के दूसरे बल्लेबाज बने

धर्मशाला। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट में अपने 16000 रन पूरे कर लिए। सलामी बल्लेबाज के तौर पर वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के दूसरे और विश्व के सातवे खिलाड़ी बन गये हैं। उनसे पहले भारतीय टीम की ओर से इतने रन पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने बनाये थे। रोहित का 16000 पर पहुंचने के लिए केवल 6 रन चाहिये थे। रोहित ने मैच में पहला छक्का लगाते ही ये रिकार्ड बना दिया। वह मैच में 16 रन बनाकर आउट हुए। इस मैच से पहले बतौर सलामी बल्लेबाज उनके नाम 15,994 रन दर्ज थे। रोहित ने अपने 16000 रन अपनी 384वीं अंतरराष्ट्रीय पारी में बनाये हैं। सलामी बल्लेबाजक के तौर पर 16,000 अंतरराष्ट्रीय रनों का आंकड़ा पार करना कोई मामूली बात नहीं है। रोहित अब दुनिया के उन गिने-चुने दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने क्रिकेट जगत पर राज किया है। इस एलीट क्लब में अब रोहित से पहले श्रलंका के सनथ जयसूर्या, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल, आस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर, दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ, वेस्टइंडीज के डेसमंड हेन्स और भारत के वीरेंद्र सहवाग जैसे खिलाड़ी शामिल थे। वहीं अगर विश्व क्रिकेट में बतौर सलामी बल्लेबाज सबसे ज्यादा रनों की बात करें तो श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या 19,298 रनों के साथ इस सूची में नंबर एक पर है। वेस्टइंडीज के यूनिवर्स बास क्रिस गेल 18,867 रनों के साथ दूसरे और आस्ट्रेलिया के आक्रामक बल्लेबाज डेविड वार्नर 18,744 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

तो सचिन-विराट को भी पीछे छोड़ देंगे वैभव : स्टेन

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन भी 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी देखकर हैरान हैं। स्टेन का मानना है कि जिस प्रकार से वैभव खेल रहे हैं, अगर उसी तरीके से खेलते रहे तो भविष्य में वह सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली को भी पीछे छोड़ देंगे। एक कार्यक्रम में जब स्टेन से वैभव को लेकर पूछा गया, तो उन्होंने कहा, वैभव एक असाधारण प्रतिभा है। वह इस समय दुनिया के अधिकांश अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से बेहतर खेल रहा है। वह भारतीय क्रिकेट का बाय वंडर और एक अनमोल खजाना है। स्टेन की ये बातें वैभव की अविश्वसनीय प्रतिभा और उनके खेल पर उनके गहरे भरोसे को दिखाती हैं। वैभव ने आईपीएल के 19 वें सत्र में कुल 16 मैचों में 776 रन बनाए थे। उन्होंने लगभग 48.50 के औसत और 237.30 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की थी। ऐसा करना टी20 क्रिकेट में बेहद कठिन है। वैभव ने आईपीएल में 72 छक्के लगाकर सर्वाधिक छक्कों के क्रिस गेल के रिकार्ड को भी तोड़ा था। स्टेन ने यहां तक कहा , जब आप सचिन या विराट जैसे महान खिलाड़ियों के बारे में सोचते हैं, तो आपको लगता है कि इससे बड़ा कोई नहीं हो सकता पर यह बच्चा आने वाले समय में एक ऐसा धमाका करने वाला है कि अपने करियर के अंत तक वह इन दोनों दिग्गजों से भी आगे निकल जाएगा।

सिंधिया कप पर चंबल घड़ियालस का कब्जा खिताबी मुहाने पर टूटा ग्वालियर का दिल

फायनल में ग्वालियर शेरनीस को 2 रनों से दी शिकस्त; नुज़हत की 81 रनों की साहसी पारी पर भारी पड़ी कनिष्का की फिफ्टी

इंदौर

होल्कर स्टेडियम की दुधिया रोशनी में शनिवार की रात मध्य प्रदेश लीग टी-20 महिला सिंधिया कप का ऐसा फाइनल मुकाबला खेला गया, जिसकी दास्तान बरसों तक याद रखी जाएगी। अंतिम गेंद तक सांसे रोक देने वाले इस मुकाबले में चंबल घड़ियाल्स ने ग्वालियर शेरनीस को बेहद रोमांचक अंदाज़ में महज 2 रनों से धूल चटाकर पहली ऐतिहासिक खिताबी ट्राफी पर अपना कब्जा जमा लिया।

चंबल घड़ियाल्स के 146 रनों के जवाब में ग्वालियर शेरनीस की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 144 रन ही बना सकी और जीत की दहलीज पर आकर उसका दिल टूट गया।

कनिष्का ठाकुर ने रखी चंबल की खिताबी बुनियाद

खिताबी भिड़ंत में पहले बल्लेबाजी करने उतरी चंबल घड़ियाल्स की शुरुआत दमदार रही। सलामी बल्लेबाज कनिष्का ठाकुर ने दबाव वाले इस फाइनल मैच में शानदार खेल दिखाते हुए महज 37 गेंदों में 7 चौकों और 1 छक्के की मदद से 50 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। मध्यक्रम में राहिला फिरदौस (29 रन) और अंतिम ओवरों में वैष्णवी सिंह के नाबाद 26 रनों के योगदान की बदौलत चंबल ने 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 146 रनों का एक चुनौतीपूर्ण और सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। ग्वालियर शेरनीस की ओर से उन्नति बगोरा (1/19) और तन्वी उपाध्याय (1/26) ही कुछ प्रभाव छोड़ सकीं।

शेरनी जैसी लड़ीं, पर अकेली पड़ीं नुज़हत, टूट गया खिताबी सपना

147 रनों के ऐतिहासिक लक्ष्य का पीछा करने उतरी ग्वालियर शेरनीस की शुरुआत बेहद धीमी रही, जब ओपनर आशना पाटीदार सिर्फ 10 रन पर रनआउट हो गईं। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज नुज़हत मसीह परवीन ने मैदान पर कदम रखा और अकेले दम पर मैच का पासा पलटना शुरू किया। नुज़हत ने चंबल के गेंदबाजों की क्लास लेते हुए 66 गेंदों में 8 चौकों और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 81 रनों की हैरतअंगेज और जुझारू पारी खेली। उन्हें ईशाना स्वामी (29 रन) का अच्छा साथ मिला, लेकिन मध्यक्रम के अन्य बल्लेबाजों का साथ न मिलना टीम को भारी पड़ गया।

आखिरी ओवरों में जब मैच हाथ से फिसलता दिख रहा था, तब चंबल घड़ियाल्स की गेंदबाजों ने अपनी नसों पर काबू रखा। धनी बुचाडे ने 4 ओवर में 38 रन देकर 2 सबसे महत्वपूर्ण विकेट चटकाए, जिसने ग्वालियर की रन गति पर ब्रेक लगाया। वहीं अदिति पनवार ने 4 ओवर में महज 3.50 की इकानमी से सिर्फ 14 रन देकर 1 विकेट लिया, जो इस कम स्कोर वाले मैच में निर्णायक साबित हुआ।

ग्वालियर शेरनीस को खिताबी जीत के लिए आखिरी 6 गेंदों में 20 रनों की दरकार थी। नुज़हत ने ओवर की दूसरी गेंद पर चौका जड़ा, जिसके बाद अंतिम 3 गेंदों पर 15 रन चाहिए थे। चौथी गेंद पर नुज़हत ने गगनचुंबी छक्का जड़कर मैच का रोमांच चरम पर पहुंचा दिया। दबाव में गेंदबाज ने अगली गेंद नो-बाल फेंक दी, जिस पर दौड़कर 2 रन भी बने (कुल 3 रन मिले)। अब अंतिम गेंद पर जीत के लिए 6 रनों की जरूरत थी। चंबल की गेंदबाज ने सटीक यार्कर फेंकी, जिस पर नुज़हत केवल चौका ही बटोर सकीं। ग्वालियर की टीम 144 रन तक तो पहुंची, लेकिन लक्ष्य से महज़ 2 रन पीछे रह गई और चंबल घड़ियाल्स ने पहली ऐतिहासिक ट्राफी पर कब्जा कर लिया। कनिष्का ठाकुर प्लेयर आफ द मैच चुनी गईं।

संक्षिप्त स्कोर

चंबल घड़ियाल्स विमेन : 146/4 (20 ओवर) कनिष्का ठाकुर 50, राहिला फिरदौस 29; उन्नति बगोरा 1/19.

ग्वालियर शेरनीस विमेन : 144/5 (20 ओवर) नुज़हत मसीह परवीन 81*, ईशाना स्वामी 29; धनी बुचाडे 2/38।

शुभमन एकदिवसीय में सबसे तेज 3000 रन पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज बने

धर्मशाला

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मैच में 47 रन बनाते ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में अपने 3000 रन पूरे कर लिए। इसके साथ ही शुभमन के नाम एक बड़ी उपलब्धि दर्ज हो गयी है। वह सबसे तेज 3000 एकदिवसीय रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह रिकार्ड केवल 62 पारियों में ही पूरा कर दिया। इसी के साथ ही विश्व भर में सबसे तेज 3000 रन एकदिवसीय रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड दक्षिण अफ्रीका के हाशिम आमला के नाम दर्ज था।

शुभमन ने इस आंकड़े तक पहुंचने के साथ ही भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का रिकार्ड भी तोड़ दिया है। अब तक भारत में सबसे तेज इससे 3000 एकदिवसीय रन बनाने के मामले में धवन पहले ही नंबर पर थे। उन्होंने 72 पारियों में यह आंकड़ा हासिल किया था। वहीं शुभमन ने केवल 62 पारियों में अपने 3000 रन पूरे करने के मामले में ध्वन को पीछे छोड़ा।

62 पारियों में 3000 रन पूरे कर शुभमन ने वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप और पाकिस्तानी खिलाड़ी फखर जमान और इमाम उल हक को तीसरे नंबर पर धकेल दिया। इन तीनों ही खिलाड़ियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 67-67 पारियां खेली थीं। अब शुभमन इन सबसे आगे निकल गये हैं। विश्व क्रिकेट में अब केवल दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज हाशिम अमला ही उनसे आगे हैं, जिन्होंने 57 पारियों में यह रिकार्ड बनाया था।

3000 एकदिवसीय रन बनाने वाले दुनिया भर के बल्लेबाजों में शुभमन के बल्लेबाजी का औसत दूसरा दूसरा सबसे बेहतरीन है। शुभमन का औसत 55 से ज्यादा का है। इस मामले में भारत के विराट कोहली (58.71 औसत) के साथ ही पहले नंबर पर हैं। शुभमन का का रन बनाने का स्ट्राइक रेट भी 99 से ज्यादा का है, जो कि काफी अच्छा माना जाता है।

अमेरिका को पहले ही मैच में जीत दिलाने वाले बालोगुन को मिला था दो अन्य देशों से खेलने का प्रस्ताव

न्यूयार्क। फीफा विश्वकप के पहले ही मैच में अमेरिका को परागवे के खिलाफ 4-1 से जीत दिलाने वाले फोलारिन बालोगुन नाइजीरियाई मूल के हैं और उनका यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। उनके जन्म के कुछ समय बाद ही पिता को देश तक छोड़ना पड़ा था। एक समय पर उन्हें इंग्लैंड और नाइजीरिया दोनों देशों से खेलने का प्रस्ताव मिला था पर , फोलारिन ने अमेरिका से खेलने का फैसला किया था। इस फुटबार का जन्म न्यूयार्क के ब्रुकलिन इलाके में नाइजीरियाई माता-पिता के घर हुआ था। उनके पैदा होने के महज़ एक महीने बाद ही उनका परिवार इंग्लैंड चला गया, जहां वे लंदन में पले-बढ़े। उन्होंने आठ साल की छोटी उम्र में ही प्रतिष्ठित आर्सेनल अकादमी में दाखिला ले लिया, जिसने उनके फुटबाल करियर की नींव रखी। युवा स्तर पर उन्होंने इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया, लेकिन साथ ही अमेरिका की अंडर-18 टीम के लिए भी खेलते रहे, जिससे तीनों देशों से उनके जुड़ाव का संकेत मिला। फोलारिन के पास अमेरिका के अलावा, अपने माता-पिता के मूल देश नाइजीरिया और अपने पालन-पोषण वाले देश इंग्लैंड की तरफ से खेलने का भी अवसर था पर उन्होंने समझदारी भरा फैसला लेते हुए अमेरिका को चुना क्योंकि वह जानने थे कि इंग्लैंड की टीम में स्टार खिलाड़ियों की भरमार है, ऐसे में वहां राष्ट्रीय टीम में जगह बना पाना एक बड़ी चुनौती होती, जबकि नाइजीरिया फुटबाल में काफी पीछे है।

महिला टी20 विश्व कप: आस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 65 रन से रौंदा

मैनचेस्टर

छह बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया टीम ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में शानदार शुरुआत करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 65 रन से हराकर अपना पहला मुकाबला जीत लिया। एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए इस मैच में आस्ट्रेलिया ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में शानदार प्रदर्शन किया।

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और शुरुआती विकेट जल्दी गंवाने पड़े। इसके बाद फोबे लिचफील्ड ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 24 गेंदों पर 51 रन बनाए। उनकी तेजतर्रार पारी ने आस्ट्रेलियाई पारी को गति दी और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

मध्यक्रम में एलिस पेरी ने 36 रन और जार्जिया वेयरहैम ने 32 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। अंतिम ओवरों में एनाबेल सुदरलैंड ने तेज रन जोड़कर टीम का स्कोर 20 ओवर में 8 विकेट के नुकशान पर 172 रन तक पहुंचा दिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम शुरुआत से ही दबाव में दिखाई दी। शुरुआती दो विकेट जल्दी गिरने के बाद कप्तान लारा वोल्वार्ड्ट ने 44 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेलकर टीम को संभालने का प्रयास किया। उन्होंने नादिन डी क्लर्क के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी भी की, लेकिन लगातार गिरते विकेटों के कारण टीम लक्ष्य के करीब नहीं पहुंच सकी।

आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी को बिखेर दिया। वेयरहैम ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट हासिल किए, जबकि सोफी मोलिनेक्स और अलाना किंग ने दो-दो विकेट अपने नाम किए।

दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 16.4 ओवर में 107 रन पर सिमट गई और आस्ट्रेलिया ने 65 रन की बड़ी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ आस्ट्रेलिया ने टूर्नामेंट में मजबूत शुरुआत की और अपने खिताब अभियान के लिए सकारात्मक संकेत दिए।

नेशंस कप में दम दिखाने को तैयार भारतीय महिला हाकी टीम, पहला मुकाबला अमेरिका से

नई दिल्ली

भारतीय महिला हाकी टीम न्यूजीलैंड के आकलैंड में हो रहे एफआईएच हाकी महिला नेशंस कप 2025-26 में अपने अभियान की शुरुआत के लिए तैयार है। कप्तान सलीमा टेटे की अगुवाई में भारतीय टीम का लक्ष्य खिताब जीतकर अगले साल होने वाली एफआईएच हाकी प्रो लीग में जगह सुनिश्चित करना है।

भारत अपने पूल ए अभियान का आगाज 15 जून को अमेरिका के खिलाफ करेगा, जबकि इसके बाद उसे जापान और उरुग्वे से मुकाबला करना है। आठ देशों की भागीदारी वाले इस टूर्नामेंट की विजेता टीम को प्रतिष्ठित एफआईएच हाकी प्रो लीग में जगह मिलेगी।

खास बात यह है कि भारत इस टूर्नामेंट में आस्ट्रेलिया के साथ चार मैचों के कड़े दौरे के बाद उतर रहा है, जहां उन्होंने दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर शानदार जज्बा दिखाया। पहला मैच करीबी अंतर से हारने के बाद भारतीय टीम ने वापसी करते हुए अगले दो मैचों में जीत हासिल की, लेकिन आस्ट्रेलिया ने आखिरी मैच जीत लिया। इससे यह दोस्ताना सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म हुई।

इस दौरे ने भारतीय टीम के लिए कई उम्मीद जगाने वाले संकेत दिए। टीम ने दबाव में भी मजबूती दिखाई, खेल के हर चरण में रणनीतिक अनुशासन बनाए रखा और जबरदस्त आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। इन प्रदर्शनों ने हाल के महीनों में टीम की तरक्की को और पुख्ता किया है।

नेशंस कप की शुरुआत से पहले भारतीय महिला हाकी टीम के मुख्य कोच स्जोर्ड मारिज्ने ने टीम की तैयारी और सोच पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया का दौरा हमारे लिए बहुत अच्छी तैयारी थी। हम एक टीम के तौर पर सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। अब हमारा पूरा ध्यान नेशंस कप पर है और हम इस मौके का पूरा फायदा उठाना चाहते हैं।

मारिज्ने ने ऐसे टूर्नामेंट में शांत और संयमित रहने की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे टूर्नामेंट में अक्सर छोटे-छोटे पल ही सबसे बड़ा फर्क डालते हैं। हमें अनुशासित रहना होगा, एक टीम के तौर पर एकजुट रहना होगा और मिले मौकों का पूरा फायदा उठाना होगा। हमारा मकसद सिर्फ अच्छे नतीजे पाना ही नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत आधार बनाना भी है। हम जानते हैं कि उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं और खिलाड़ी देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हैं।

हाकी इंडिया के अध्यक्ष डा. दिलीप टिर्की ने टूर्नामेंट से पहले टीम को सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि महिला नेशंस कप हमारी महिला टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी तरक्की और हिम्मत दिखाने का एक बड़ा मौका है। खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट की तैयारी के लिए बहुत मेहनत की है और मुझे पूरा भरोसा है कि वे हर मैच में जीत के लिए विश्वास और जोश के साथ खेलेंगी। उन्होंने कहा कि एफआईएच हाकी प्रो लीग में जगह बनाना हमारा एक अहम मकसद है, लेकिन दुनिया की बेहतरीन टीमों के साथ लगातार मुकाबला करने में सक्षम टीम बनाना भी उतना ही जरूरी है। हाकी इंडिया की तरफ से मैं टीम और सपोर्ट स्टाफ को टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि वे देश का नाम रोशन करेंगी।